□□□□ □□□□□

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

□□□ □□□

□तारांकित प्रश्न □ख□□: 938

07 □□□□□, 2020 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सवक्षण

938. श्री संतोष पान्डेयः

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने को कृपा करगे किः

(क) राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सवक्षण 3 और 4 के अनुसारछत्तीसगढ़ म उन बच्चों का सवक्षण-वार प्रतिशत कितना है जो कुपोषित, रक्ताल्पता से पीड़ित पाए गए और जिन्ह अतिसार और अन्य रोगों से लड़ने वाली जीवन रक्षक दवाइयां पृथक रूप से प्रदान नहों को गई हो;

(ख) क्या सवक्षण के बाद कोई सुधर हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) छत्तीसगढ़ के किन जिलों म इस संबंध् म सुधर को आवश्यकता है;

(घ) क्या स्थिति सुधरने के लिए कोई प्रयास किए जा रहे हो;

(ङ) क्या सरकार का इस संबंध् म कोई योजना तैयार करने का विचार है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

□त्त□

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री (श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(क): छत्तीसगढ़ म बच्चों म कुपोषण, एनीमिया और पूण प्रतिरक्षण को स्थिति निम्नानुसार है:

संकेतक	□□□□□□□□-3 (2005-06)	□□□□□□□□ -4 (2015-16)
5 वष से कम आयु के बच्चों का % जो बौने ह	52.9	37.6
5 वष से कम आयु के बच्चों का जो %वेस्टेड ह	19.5	23.1
5 वष से कम आयु के बच्चों का जो कम वजन के ह %	47.1	37.7
6-59 महीने के बच्चों का) जो एनीमिक ह %<11.0 ग्राम / डीएल)	71.2	41.6

12-23 महीने के बच्चों का %जो पूरी तरह से प्रतिरक्षित हबीसीजी) , खसरा, और पोलियो और डीपीटी प्रत्येक को 3 खुराक(	48.7	76.4

(ख): व्यापक राष्ट्रीय पोषण सवक्षण (सीएनएनएस) 2016-18 के अनुसार, छत्तीसगढ़ राज्य ने पोषण संबंधी स्थिति म निम्नलिखित सुधार का प्रदशन किया है;

□□□□	□□□□□□□□ (2016-18)
5 वष से कम आयु के बच्चों का % जो बौने ह	35.4
5 वष से कम आयु के बच्चों का जो %वेस्टेड ह	19.3
5 वष से कम आयु के बच्चों का जो कम %वजन के ह	40.0

(ग): एनएफएचएस-4 के अनुसार, प्रत्येक संकेतक के आधार पर निम्नलिखित जिलों म सुधार को आवश्यकता है;

□□□□	□□ज□ □□□	राज्य औसत को तुलना म कमजोर काय निष्पादन वाले जिले
5 वष से कम आयु के बच्चों का % जो बौने ह	37.6	बस्तर, बीजापुर, बस्तर दंतेवाड़ा, कबीरधाम, महासमुंद, नारायणपुर, रायपुर, रायगढ़ और राजनांदगांव [एन = 9]
5 वष से कम आयु के बच्चों का जो %वेस्टेड ह	23.1	बस्तर, बीजापुर, बिलासपुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, धमतरी, कोरबा, कोरिया (कोरिया), नारायणपुर और उत्तर बस्तर कांकेर [एन = 9]
5 वष से कम आयु के बच्चों का जो कम वजन के ह %	37.7	बस्तर, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, धमतरी, कबीरधाम, महासमुंद, नारायणपुर और उत्तर बस्तर कांकेर [एन = 8]
6-59 महीने के बच्चों काजो %) एनीमिक ह<11.0 ग्राम / डीएल)	41.6	बस्तर, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, धमतरी, दुग, नारायणपुर, रायपुर और उत्तर बस्तर कांकेर [एन = 8]
12-23 महीने के बच्चों का % जो पूरी तरह से प्रतिरक्षित ह बीसीजी), खसरा, और पोलियो और डीपीटी प्रत्येक को 3 खुराक(	76.4	बस्तर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, जांजगीर चांपा, जशपुर, कबीरधाम, कोरिया (कोरिया), महासमुंद, नारायणपुर, रायगढ़ और सगुजा [एन = 10]

(पूर्वोक्त संकेतकों का जिलेवार कवरेज अनुलग्नक म दिया गया है)

(घ), (ङ) और (च): पोषण संबंधी स्थिति को सुधारने, बच्चो म एनीमिया, डार्यारिया और अन्य रोगों को कम करने के लिए भारत सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतगत छत्तीसगढ़ सहित सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों म

पुनजनन, मातृत्व, नवजात, बाल, किशोर स्वास्थ्य एवं पोषण (आरएमएनसीएएच+एन) कायनीति का कायान्वयन कर रही है।

(1) सभी प्रसव स्थलों पर अनिवाय नवजात पर्यवेक्षा सुदृढ़ करना, बीमार नवजात पर्यवेक्षा एकक (एसएनसीयू), नवजात स्थिरीकरण एकक (एनबीएसयू) तथा रूग्ण एवं छोटे बच्चों को पर्यवेक्षा के लिए कंगारू माता पर्यवेक्षा (केएमसी) को स्थापना।

(2) बाल लालन-पोषण संबंधी पर्यवेक्षाटियों म सुधार लाने के लिए आशाकर्मियों द्वारा गृह-आधारित नवजात पर्यवेक्षा (एचबीएनसी) तथा गृह आधारित युवा बाल पर्यवेक्षा (एचबीवाईसी) प्रदान को जा रही है।

(3) बहु-क्षेत्रीय काय, व्यवहार परिवतन संप्रेषण, प्रशिक्षण एवं सामुदायिक कार्मिकों का क्षमता निमाण और सामान्य एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर के उपयोग के माध्यम से कुपोषण का समाधान करने के लिए भारत सरकार ने पोषण अभियान (समग्र पोषण हेतु प्रधान मंत्री व्यापक योजना) को शुरूआत को है। जीवन चक्र पद्धति आयरन एवं फोलिक एसिड संपूरण, मांग सृजन तथा प्रगति को निगरानी हेतु डेशबोड पर मुख्य ध्यान केन्द्रित करने के साथ एनिमिया मुक्त भारत कायनीति को भी पहल को गई है।

(4) महिला और बाल विकास मंत्रालय के समन्वय से स्तनपान जल्दी शुरू करवाने तथा पहले छह माह म अनन्य रूप से स्तनपान करवाने के लिए एवं नवजात तथा छोटे बच्चों को आहार संबंधी पर्यवेक्षाटियों (आईवाईसीएफ) को मां का असीम स्नेह (मां) के तहत बढ़ावा दिया जाता है। चिकित्सीय जटिलताओं के साथ भर्ती किए गए गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम) से पीड़ित बच्चों के उपचार और प्रबंधन के लिए जन स्वास्थ्य कद्रों म पोषण पुनवास कद्रों (एनआरसी) को स्थापना को गई है।

(5) अनेक जीवनघाती रोग जैसे क्षयरोग, डिप्थीरिया, काली खांसी, पोलियो, टिटनेस, हेपाटाईटिस बी तथा खसरे के प्रति बच्चों का टीकाकरण करने के लिए सावभौमिक प्रतिरक्षण कायक्रम (यूआईपी) को कायान्वित किया जा रहा है। रोटा वायरस डार्यारिया के निवारण हेतु देश म रोटा वायरस टीका भी लगया गया है। ऐसे बच्चों को पूणतया प्रतिरक्षित करने हेतु ''मिशन इंद्रधनुष'' शुरु किया गया है जिनका पहले टीकाकरण नहों किया गया हो अथवा आंशिक रूप से टीकाकरण किया गया हो; जो विभिन्न कारणों से नेमी प्रतिरक्षण के दौरों के दौरान कवर नहों किए गए हों। गहन मिशन इंद्रधनुष (आईएमआई) 2.0 देश म 90% संपूण प्रतिसक्षण कवरेज प्रपट करने के लिए रोड़ मेप के अनुसार चलाया जा रहा है।

(6) राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कायक्रम के तहत रोगों कमियों, विकारों तथा विकास विलंब- 4डी म 30 स्वास्थ्य पर्यवेक्षास्थितियों के लिए जांच किए गए 0 से 18 वष को आयु के सभी बच्चों को वर्गीकृत किया गया है। 4डी को पुष्टि और प्रबंधन हेतु जिला स्वास्थ्य कद्र स्तर पर जिला शीघ्र क्रियाकलाप कद्र स्थापित ह।

(7) बच्चों म कृमिनाशन हेतु प्रत्येक वष म दो बार राष्ट्रीय कृमिनाशन दिवस मनाया जाता है (1 से 19 वष को आयु तक)।

(8) डार्यारिया को समाप्त करना (डी2) पहल ओआरएस और जिक उपयोग के संवधन और वष 2025 तक डार्यारिया के कारण मौतों के उन्मूलन हेतु आरंभ को गई है।

(9) निमोनिया के कारण बाल्यावस्था, रुग्णता और मृत्यु को कम करने के लिए सामाजिक जागरूकता और न्यूट्रलाइट निमोनिया के प्रति सफलतापूवक कारवाई पहल (सांस)।

(10) स्वास्थ्य एवं पोषण शिक्षा सहित मातृ एवं बाल परिचया के संबंध म जागरूकता फैलाने तथा मातृ एवं बाल स्वास्थ्य सेवाओं के प्रावधान के लिए ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (वीएचएनडी) मनाए जाते ह। मास मीडिया अभियान के जरिए स्वस्थ परिपाटी और सेवा लेने के लिए हेतु मांग सृजन के लिए स्वास्थ्य और पोषण शिक्षा को संवर्धित किया जाता है।

(11) प्रसवपूव, प्रसवकालीन एवं प्रसवोत्तर परिचया तथा कायक्रमानुसार पूण प्रतिरक्षण सुनिश्चित करने हेतु माताओं तथा दो वष को आयु तक के बच्चों को नाम आधारित ट्रैकिग (माता और शिशु ट्रैकिग प्रणाली) को जाती है।

(12) जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) के अंतगत नकद प्रोत्साहन राशि के जरिए संस्थागत प्रसवों को बढ़ावा देना और जननी शिशु सुरक्षा कायक्रम (जेएसएसके), जिसम सरकारी स्वास्थ्य कद्रों म प्रसव कराने वाली सभी गभवती महिलाएं पूणत: निशुल्क प्रसव-पूव जांचों, सिजेरियन सेक्शन सहित प्रसव, प्रसवोत्तर परिचया एवं बीमार बच्चों का उपचार एक वष तक करवाने हेतु पात्र होती ह। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) गभवती और स्तनपान करवाने वाली माताओं को नकद प्रोत्साहन देने वाला एक अन्य मातृ लाभ कायक्रम है।

<u>अनुलग्नक</u>

[illegible] 1: छत्तीसगढ़ के जिलों म पाँच वष से कम आयु के बच्चों को पोषण स्थिति [illegible] 4			
जिला	[illegible]([illegible])	[illegible]स[illegible] ([illegible])	[illegible] ([illegible])
राज्य औसत	37.6	23.1	37.7
बस्तर	41.6	33.9	50.5
बीजापुर	48.2	26.0	47.2
बिलासपुर	34.1	26.8	33.3
दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा	44.2	32.2	51.6
धमतरी	34.2	26.9	40.2
दुग	34.2	21.2	36.3
जांजगीर चम्पा	36.8	21.7	34.7
जशपुर	35.1	18.6	35.2
कबीरधाम	40.4	17.6	38.4
कोरबा	33.2	25.7	36.6
कोरिया (कोरिया)	30.6	29.0	34.5
महासमुंद	43.7	19.8	38.1
नारायणपुर	49.0	30.5	49.2
रायगढ़	39.2	19.4	37.1
रायपुर	38.3	19.5	37.3
राजनंदगांव	48.8	17.2	36.6
सरगुजा	32.3	22.3	34.7
उत्तर बस्तर कांकेर	36.3	30.9	49.9

[illegible] 2: 6-59 [illegible] के आयु के बच्चों का प्रतिशत जिन्ह [illegible]त्त[illegible], जिन्ह एनीमिया युक्त वर्गीकृत किया गया है, [illegible] -4	
[illegible]	एनिमिया युक्त बच्चे ([illegible] स[illegible] <11.0 [illegible]/[illegible])
राज्य औसत	41.6
बस्तर	59.4
बीजापुर	51.3
बिलासपुर	31.1
दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा	71.3
धमतरी	52.7
दुग	44.4
जांजगीर चम्पा	35.6
जशपुर	31.1

कबीरधाम	37.6
कोरबा	39.1
कोरिया (कोरिया)	33.7
महासमुंद	38.0
नारायणपुर	48.2
रायगढ़	38.8
रायपुर	47.1
राजनंदगांव	29.7
सरगुजा	38.6
उत्तर बस्तर कांकेर	61.8

□□□□□ 3:12-23 माह आयु के बच्चों का प्रतिशत जिन्होंने छत्तीसगढ़ के जिले द्वारा सर्वेक्षण से पूर्व किसी समय सभी बुनियादी टीके प्राप्त किए ह

□□□□	□□□ □□□□□□ □□□1
राज्य का औसत	76.4
बस्तर	71.6
बीजापुर	83.7
बिलासपुर	82.0
दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा	66.0
धमतरी	88.2
दुग	90.4
जांजगीर चम्पा	70.5
जशपुर	50.4
कबीरधाम	61.5
कोरबा	80.8
कोरिया (कोरिया)	74.6
महासमुंद	74.8
नारायणपुर	62.4
रायगढ़	68.5
रायपुर	80.1
राजनंदगांव	87.1
सरगुजा	64.3
उत्तर बस्तर कांकेर	82.0

बीसीजी, खसरा और डीपीटी तथा पोलियो टीका प्रत्येक को 3 खुराक के साथ पूण टीकाकृत (जन्म के समय दिए गए पोलियो टीके को छोड़कर)

*****